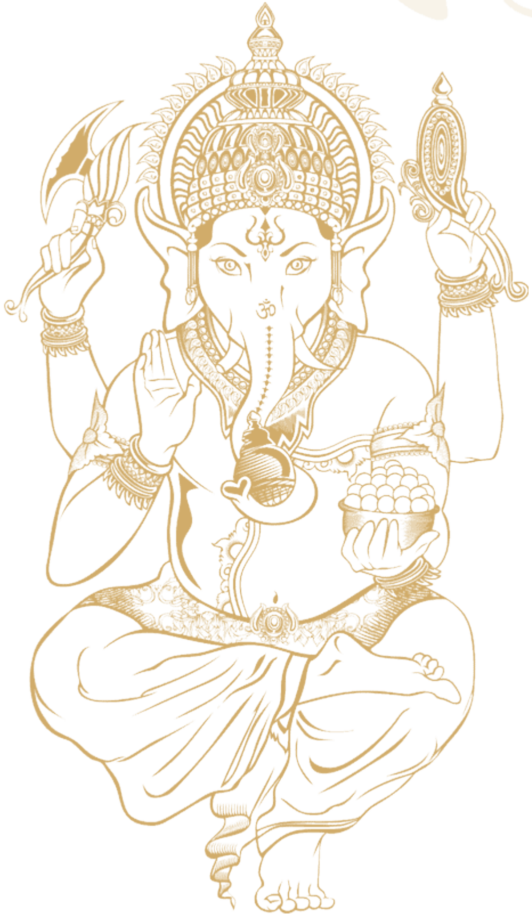

Mr.

14 Mar 2026

11:13 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121580602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:13:00 घंटे**
इष्ट	11:41:16 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:51:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:19:19 घंटे
सूर्योदय	06:32:29 घंटे
सूर्यास्त	18:28:42 घंटे
दिनमान	11:56:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:25:32 कुम्भ
लग्न के अंश	24:57:38 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:57:38	350:26:21	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कुंभ	29:25:32	00:59:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मक	00:51:30	12:21:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:56:51	00:47:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	16:30:01	00:40:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:41	00:00:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:27:20	01:14:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:06:37	00:07:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:41:45	00:01:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:41:45	00:01:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:51:45	00:01:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:18:27	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:38:27	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	08:39:17	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

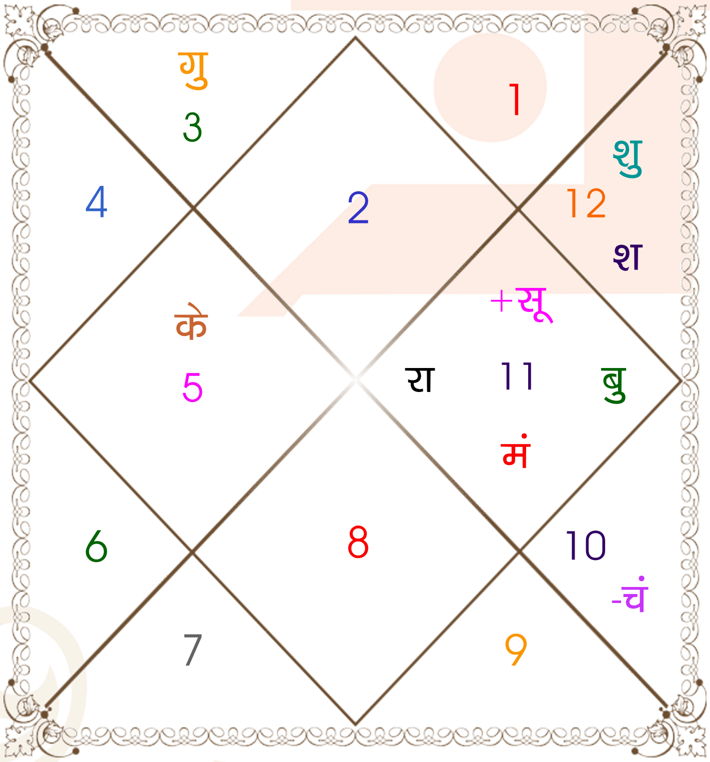

चन्द्र कुंडली

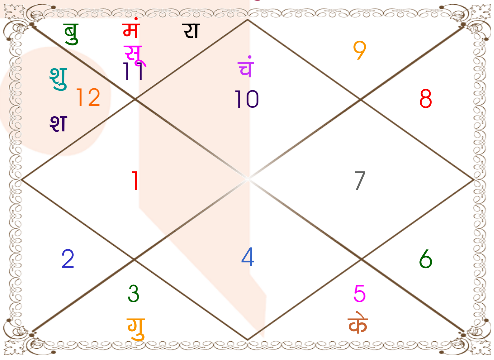

नवमांश कुंडली

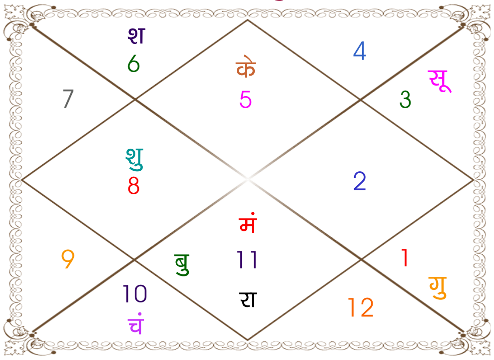

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 1 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
14/03/2026	25/04/2030	24/04/2040	25/04/2047	24/04/2065
25/04/2030	24/04/2040	25/04/2047	24/04/2065	24/04/2081
00/00/0000	चंद्र 23/02/2031	मंगल 20/09/2040	राहु 05/01/2050	गुरु 12/06/2067
00/00/0000	मंगल 24/09/2031	राहु 09/10/2041	गुरु 31/05/2052	शनि 24/12/2069
14/03/2026	राहु 25/03/2033	गुरु 15/09/2042	शनि 06/04/2055	बुध 31/03/2072
राहु 13/05/2026	गुरु 25/07/2034	शनि 24/10/2043	बुध 24/10/2057	केतु 07/03/2073
गुरु 01/03/2027	शनि 23/02/2036	बुध 21/10/2044	केतु 11/11/2058	शुक्र 06/11/2075
शनि 11/02/2028	बुध 25/07/2037	केतु 19/03/2045	शुक्र 11/11/2061	सूर्य 24/08/2076
बुध 17/12/2028	केतु 23/02/2038	शुक्र 19/05/2046	सूर्य 06/10/2062	चंद्र 24/12/2077
केतु 24/04/2029	शुक्र 24/10/2039	सूर्य 24/09/2046	चंद्र 06/04/2064	मंगल 30/11/2078
शुक्र 25/04/2030	सूर्य 24/04/2040	चंद्र 25/04/2047	मंगल 24/04/2065	राहु 24/04/2081

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
24/04/2081	25/04/2100	25/04/2117	25/04/2124	25/04/2144
25/04/2100	25/04/2117	25/04/2124	25/04/2144	00/00/0000
शनि 27/04/2084	बुध 22/09/2102	केतु 21/09/2117	शुक्र 26/08/2127	सूर्य 13/08/2144
बुध 05/01/2087	केतु 19/09/2103	शुक्र 22/11/2118	सूर्य 25/08/2128	चंद्र 11/02/2145
केतु 14/02/2088	शुक्र 20/07/2106	सूर्य 29/03/2119	चंद्र 26/04/2130	मंगल 19/06/2145
शुक्र 16/04/2091	सूर्य 26/05/2107	चंद्र 28/10/2119	मंगल 26/06/2131	राहु 15/03/2146
सूर्य 28/03/2092	चंद्र 25/10/2108	मंगल 26/03/2120	राहु 25/06/2134	00/00/0000
चंद्र 27/10/2093	मंगल 22/10/2109	राहु 13/04/2121	गुरु 23/02/2137	00/00/0000
मंगल 06/12/2094	राहु 10/05/2112	गुरु 20/03/2122	शनि 25/04/2140	00/00/0000
राहु 12/10/2097	गुरु 16/08/2114	शनि 29/04/2123	बुध 24/02/2143	00/00/0000
गुरु 25/04/2100	शनि 25/04/2117	बुध 25/04/2124	केतु 25/04/2144	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रुपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।